राज्य आनंद संस्थान

संस्करण : मई-जून 2026

प्रकाशक : UHV-RAS Team

आनंद संचारिका

मासिक पत्रिका

आनंद सभा (सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर)

राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, म.प्र. शासन

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल परिसर, बोर्ड ऑफिस, शिवाजी नगर, भोपाल 462011

अनुक्रमणिका

विषय वस्तु	**पृष्ठ क्रमांक**
पाठकों के लिए संदेश.	
विशेष आलेख : अध्ययन एवं अभ्यास	
मेरी यूएचवी* यात्रा	
प्रतिभागियों का स्व-मूल्यांकन	
आरएएस**- यूएचवी के इस माह के कार्यक्रम.	
ऑनलाइन साप्ताहिक सभाएं	
आरएएस-यूएचवी के आगामी कार्यक्रम	
प्रदेश से बाहर यूएचवी के प्रयास	
यूएचवी छात्रों की दृष्टि में	
मूल्य प्रेरणा पुष्प	
पाठकों के फीडबैक	
'आनंद सभा' शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं की कुछ झलकियां	
सार्वभौमिक मानवीय मूल्य समाचार पत्रों की दृष्टि में	
पाठकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना	

* यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़

** राज्य आनंद संस्थान

पाठकों के लिए संदेश

नमस्कार मित्रो,

विगत दो माह में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यालयीन शिक्षकों के साथ आनंद सभा संचालन हेतु छः-छः दिवसीय सार्वभौमिक मानवीय मूल्य की कार्यशालाएं आयोजित करने में हम सबकी व्यस्तता रही। इस कारण गत माह संचारिका का प्रकाशन नहीं हो पाया। इस बार दो माह का संयुक्तांक आपके साथ साझा किया जा रहा है।

मई एवं जून माह में राज्य आनंद संस्थान द्वारा म. प्र. स्कूल शिक्षा विभाग व यूएचवी टीम तथा एआईसीटीई द्वारा नामित प्रबोधकों के सहयोग से मध्यप्रदेश के 52 जिलों के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 1,717 शिक्षकों के साथ छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गयीं, ताकि संबंधित विद्यालयों के विद्यार्थियों में 'मानव मूल्य बोध' को विकसित करने वाले कार्यक्रम 'आनंद सभा' का सुचारू संचालन किया जा सके।

शिक्षकों के लिए भोपाल के विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित इन 19 प्रशिक्षण कार्यशालाओं की विशेषता यह रही कि इनमें प्रबोधक के अतिरिक्त कार्यक्रम संचालन का दायित्व मध्यप्रदेश के स्थानीय वालेंटियर्स के द्वारा किया गया। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ है कि आने वाले समय में कार्यशाला संचालन की पूरी टीम मध्यप्रदेश से तैयार हो सकती है। जिसके फलस्वरूप वर्ष में अधिक कार्यशालाओं का आयोजन कर हम ज्यादा संख्या में लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकते हैं।

छः दिवसीय शिक्षक परिचय (यूएचवी-II) कार्यशालाओं के अतिरिक्त जून माह में दो रिफ्रेशर कार्यशालाएं भी आयोजित की गयीं, जिनमें विगत वर्षो में परिचय कार्यशाला में भागीदारी कर चुके विद्यालय शिक्षक, उच्च शिक्षा विभाग के प्रोफेसर तथा सामाजिक कार्य से जुड़े प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की। इन दो कार्यशालाओं में 113 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आने वाले समय में हम परिचय कार्यशालाओं में इनका सहयोग ले सकेंगे। साथ ही अपनी समझ को बढ़ाते हुए इन प्रतिभागियों द्वारा समाज में प्रेरक वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

इन कार्यशालाओं में स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों के अतिरिक्त श्रम विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों ने भी भागीदारी की। इसका अर्थ यह है कि निकट भविष्य में इन विद्यालयों में भी आनंद सभा के माध्यम से विद्यार्थियों में मूल्य बोध को बढ़ाने की गतिविधियां की जा सकती हैं।

विगत वर्ष से की जा रही संभाग स्तरीय साप्ताहिक बैठकों का सकारात्मक परिणाम दिखने लगा है। सौ से अधिक निष्ठावान एवं सक्रिय भागीदारी के लिए तत्पर शिक्षक वॉलन्टियर्स जिसका प्रमाण है। आगामी समय में इन बैठकों को जिला-स्तर पर किए जाने संबंधी तैयारी की जा रही है।

आशा है कि आपका सहयोग हमें निरंतर प्राप्त होता रहेगा, जिससे आनंदित समाज बनाने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ पाएंगे।

सबका शुभ हो। सादर...

श्री सत्य प्रकाश आर्य,
निदेशक, राज्य आनंद संस्थान,
भोपाल (म.प्र.)

अध्ययन एवं अभ्यास

विश्वास- आधार मूल्य, की स्पष्टता के साथ जीना

आनंद संचारिका के पूर्व अंकों से यह स्पष्ट होता है कि स्वयं का वास्तविक विकास तभी संभव है जब हमारी कल्पनाशीलता संबंध, व्यवस्था और सह-अस्तित्व के अनुरूप हो। अस्तित्व एक व्यवस्था है, और जब हम इसे समझकर अपने भीतर भी व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं, तब "जैसा मैं हूँ" और "जैसा होना मुझे स्वीकार्य है" के बीच एकरूपता आती है, जिससे 'स्वयं' में हार्मनी उत्पन्न होती है और वही सुख के रूप में अनुभव होती है। समृद्धि का अर्थ केवल भौतिक साधनों की उपलब्धता नहीं, बल्कि अपनी आवश्यकताओं की सही पहचान और उनसे अधिक की अनुभूति है। मानव को 'मैं' (चैतन्य) और 'शरीर' (जड़) के सह-अस्तित्व के रूप में समझा, जहाँ 'मैं' में हो रही इच्छा, विचार और आशा के क्रियाओं को कल्पनाशीलता के रूप में एवं शरीर को साधन के रूप में समझा।

आगे परिवार व्यवस्था पर चर्चा के क्रम में यह समझा कि संबंधों के सही निर्वाह से ही उभयसुख संभव होता है। संबंध 'मैं' और दूसरे 'मैं' के बीच होते हैं और उनका आधार विभिन्न भाव जैसे—विश्वास, सम्मान, स्नेह, ममता, वात्सल्य, श्रद्धा, गौरव, कृतज्ञता और प्रेम हैं। इन भावों को समझकर और सही निर्वाह से संबंधों में व्यवस्था स्थापित किया जा सकता है। जब इन मूल्यों के आधार पर व्यवहार किया जाता है, तब परिवार, समाज और प्रकृति के साथ व्यवस्थित जीना संभव होता है; इसी समझ को आगे बढ़ाते हुए विश्वास को संबंधों के आधार मूल्य के रूप में विस्तार से समझने का प्रयास गत अंक में शुरू किया था।

जिसमें यह समझने का प्रयास किया कि विश्वास का अर्थ है आश्वस्त होना—यह स्पष्टता कि दूसरा व्यक्ति मेरा सुख और समृद्धि चाहता ही है।

प्रत्येक मानव की मूल चाहना सुखी होना और दूसरों को सुखी करना है, इसलिए पहले तीन कथन (स्वयं और दूसरे की सुख की चाहना) सहज रूप से सही प्रतीत होते हैं। लेकिन "दूसरा मुझे सुखी करना चाहता है" इस कथन पर संदेह उत्पन्न होता है, जिससे अविश्वास की शुरुआत होती है। वास्तव में यह संदेह दूसरे की चाहना के बारे में स्पष्टता की कमी के कारण होता है, न कि उसकी चाहना के गलत होने के कारण।

समस्या तब बढ़ती है जब हम चाहना (intention) और योग्यता (competence) में अंतर नहीं कर पाते। हम अपनी गलतियों को योग्यता की कमी मानते हैं, लेकिन दूसरों की गलतियों को उनकी चाहना की कमी समझ लेते हैं, जैसा कि गिलास टूटने के उदाहरण से स्पष्ट होता है। इसी भ्रम के कारण संबंधों में अविश्वास, क्रोध और विरोध उत्पन्न होता है। इसका समाधान क्या होगा इस पर चर्चा करते हैं।

"चाहना पर विश्वास" का अर्थ है यह स्पष्टता कि दूसरा व्यक्ति भी मेरे सुख और समृद्धि के लिए ही कार्य करना चाहता है। यह समझ इस आधार पर विकसित होती है कि प्रत्येक मानव की सहज स्वीकृति समान होती है—हर व्यक्ति स्वयं सुखी होना चाहता है और दूसरों को भी सुखी करना चाहता है।

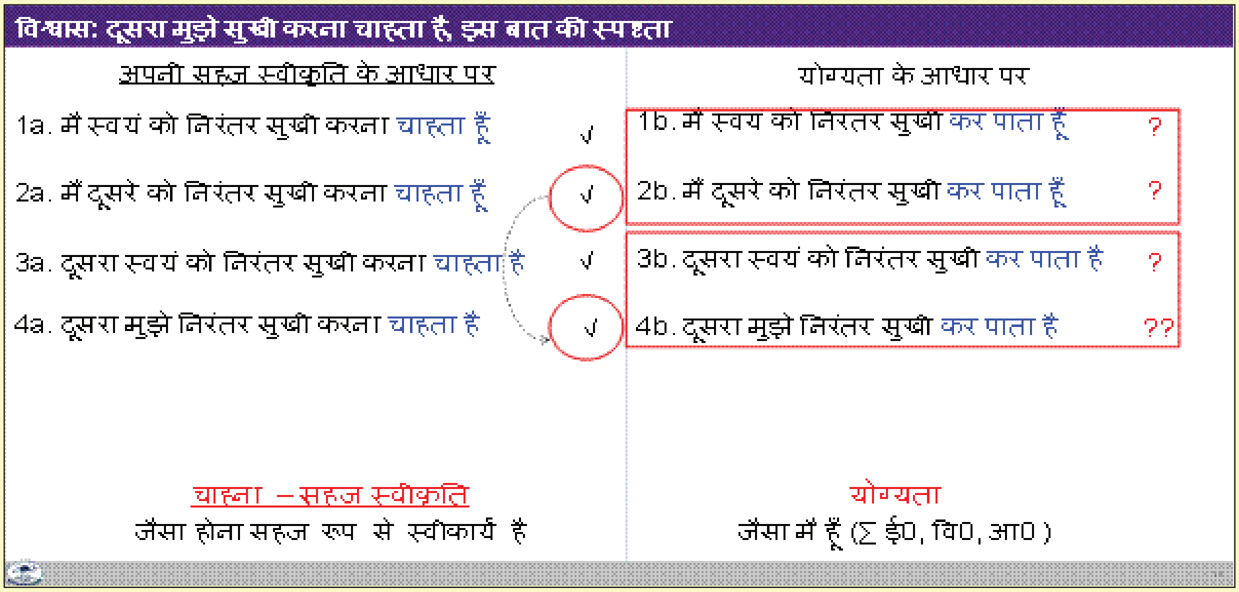

इसी संदर्भ में "दूसरा मुझे सुखी करना चाहता है" (कथन 4a) भी सही सिद्ध होता है, क्योंकि यह हमारी अपनी चाहना (दूसरों को सुखी करने की इच्छा) का ही प्रतिबिंब है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सभी मनुष्यों की मूल चाहना समान है, और इसी स्पष्टता के आधार पर हम दूसरों की चाहना पर विश्वास कर सकते हैं।

हालाँकि, यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है—चाहना और योग्यता का। जहाँ चाहना निश्चित और सही होती है, वहीं योग्यता (व्यवहार में उसे लागू करने की क्षमता) में कमी हो सकती है। इसलिए कोई व्यक्ति हमें सुखी करना चाहता तो है, लेकिन उसकी योग्यता की कमी के कारण वह ऐसा हमेशा कर नहीं पाता। इस अंतर को समझना ही विश्वास की सही नींव है।

जब हम चाहना पर विश्वास करना सीख लेते हैं, तो घटनाओं को देखने का हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। उदाहरण के रूप में, यदि कोई गलती (जैसे गिलास टूटना) होती है, तो हम यह समझ पाते हैं कि यह किसी की गलत नीयत से नहीं, बल्कि योग्यता की कमी या परिस्थिति के कारण हुआ है। इससे हम दूसरों की चाहना पर संदेह करने के बजाय उनकी योग्यता को सुधारने की दिशा में सोचते हैं।

इस समझ के साथ व्यक्ति अपने और दूसरों दोनों के प्रति संतुलित दृष्टिकोण विकसित करता है। वह अपनी गलतियों को भी योग्यता की कमी मानकर सुधारने का प्रयास करता है और दूसरों की गलतियों के प्रति भी सहिष्णु और सहयोगी बनता है। इससे संबंधों में झल्लाहट, क्रोध और विरोध के स्थान पर सहयोग, धैर्य और सीखने की प्रवृत्ति विकसित होती है।

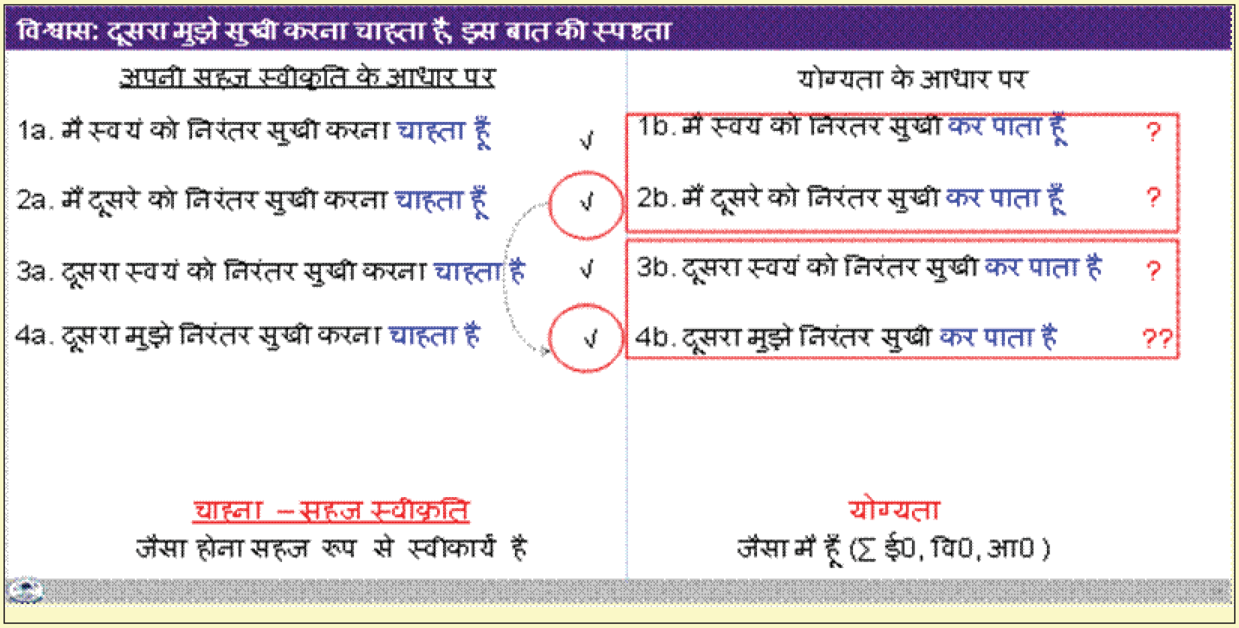

चाहना पर विश्वास संबंधों का आधार मूल्य है। जब हमें दूसरों की चाहना पर विश्वास होता है, तब हम उन्हें बिना शर्त स्वीकार कर पाते हैं और संबंधों में निरंतरता बनी रहती है। साथ ही, हम किसी भी कार्य या कार्यक्रम को बनाते समय अपनी और दूसरों की योग्यता का सही मूल्यांकन कर पाते हैं, जिससे कार्य की सफलता की संभावना बढ़ जाती है। उदाहरण के रूप में, किसी कार्यशाला का संचालन करते समय प्रतिभागियों की चाहना (सीखने की इच्छा) पर विश्वास रखते हुए उनकी योग्यता के अनुसार भाषा और पद्धति का चयन किया जाता है।

इसके विपरीत, यदि हम केवल विश्वास "मानते" हैं और चाहना-योग्यता का अंतर नहीं समझते, तो हम बिना योग्यता का मूल्यांकन किए निर्णय लेते हैं, जिससे असफलता और फिर अविश्वास उत्पन्न होता है। इसलिए सही समझ यह है कि विश्वास का आधार चाहना हो और व्यवहार का आधार योग्यता का यथार्थ मूल्यांकन।

जब हम चाहना पर विश्वास रखते हैं, तो हम न केवल दूसरों की योग्यता को सुधारने में सहयोगी बनते हैं, बल्कि स्वयं की योग्यता को भी विकसित करने के लिए तत्पर रहते हैं। इस प्रक्रिया में यह भी आवश्यक है कि हम पहले दूसरे को आश्वस्त करें, ताकि वह हमारे साथ संबंध में सहजता से जुड़ सके और हमारी बात को स्वीकार कर सके। जैसे उदाहरण में छात्र ने पहले अपने व्यवहार से विश्वास अर्जित किया, तब वह अपने विचार प्रभावी रूप से साझा कर पाया।

अंततः, चाहना पर विश्वास ही संबंधों की शुरुआत और विकास का आधार है। यह विश्वास हमें सकारात्मक दृष्टिकोण, सहयोगी व्यवहार और निरंतर सुधार की दिशा देता है। इसी के माध्यम से हम स्थायी, संतुलित और सुखद संबंध स्थापित कर सकते हैं, जो व्यक्तिगत और सामूहिक विकास का आधार बनते हैं।

उपरोक्त सभी बिंदुओं पर निरंतर अध्ययन और अभ्यास जारी रखने के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

अगले अंक में हम इस चर्चा को और गहराई से आगे बढ़ाएँगे।

- कार्यशालाओं में भागीदारी के दौरान, वलन्टियर्स टीम को भी अपने में इस बात की जांच-परख करने का अवसर मिला कि प्रतिभागियों के साथ व्यवहार करते हुए और विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए संबंध का, स्नेह का व्यवस्था में भागीदारी का भाव कितने समय बना रहा और कितनी बार अपने में असहज हुए।
- वॉलन्टियर्स टीम इस बात को गहराई से समझ पाए कि निरंतर सहज भाव में रहने के लिए और यूएचवी के प्रस्तावों का अभ्यास करने के लिए कार्यशालाओं में भागीदारी, स्नेह संचार सभाओं का आयोजन और ऑनलाइन साप्ताहिक सभाओं में सक्रिय प्रतिभागिता बहुत सहयोगी है।

कार्यशाला का नाम: 5 दिवसीय यूएचवी कार्यशाला

दिनाँक : 15 से 19 जून 2026

स्थान : मौलाना आजाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MANIT), भोपाल

आनंद विभाग द्वारा मौलाना आजाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MANIT), भोपाल के फैकल्टी मेम्बर्स के लिए दिनांक 15 से 19 जून 2026 पांच दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के कुल 71 प्राध्यापकों ने भागीदारी की। "Strengthening Students Mentoring And Mental Well Being" के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सार्वभौमिक मानवीय मूल्य आधारित विषय-वस्तु पर प्राध्यापकों के साथ संवाद किया गया। मानव की स्वयं में व्यवस्था, परिवार, समाज और प्रकृति/सह-अस्तित्त्व में व्यवस्था पर लोगों का ध्यान गया। आज के परिवेश में मूल्य परक शिक्षा की आवश्यकता और परिवारों में हो रहे विघटन, संबंधों में बढ़ रही दूरियों के मूल कारणों पर प्रतिभागियों के साथ गहराई से चर्चा हुई। समाज में भागीदारी एवं प्रकृति संरक्षण और संवर्धन पर भी लोगों ने अपनी जिम्मेदारी और भागीदारी को महसूस किया और कई लोगों ने आगे इस विषय-वस्तु को और गहराई से समझने और समाज में मूल्य स्थापित करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता जताई।

ऑनलाइन साप्ताहिक सभाएं

मंगलवार मीटिंग: स्वयं के विकास और समूह के विकास के संदर्भ में योजना कार्यक्रम बनाने, उनका क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन के आशय से प्रत्येक मंगलवार सांय 7:00 से 8:30 बजे तक एक ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया जाता है। इसमे लगभग 40 लोग नियमित रूप से जुड़ते हैं। प्रत्येक बुधवार को होने वाली इस संभागवार मीटिंग की रिपोर्ट संभाग स्तरीय कोर टीम द्वारा साझा की जाती हैं एवं प्रदेश में चल रहे यूएचवी के प्रयासों की समीक्षा की जाती है।

उपस्थिति का विवरण (मंगलवार)

क्र.	मीटिंग दिनांक	21 अप्रैल	28 अप्रैल	05 मई	12 मई	19 मई	26 मई	02 जून	09 जून	16 जून
1	कुल सदस्य	55	55	55	55	55	55	55	55	55
2	उपस्थित सदस्य	26	24	25	20	16	11	05	09	24

बुधवार मीटिंग: संभाग स्तर पर टीम को विकसित होने में सहयोग करने हेतु सात संभागों की ऑनलाइन साप्ताहिक मीटिंग का आयोजन प्रत्येक बुधवार को शाम 7 से 8:30 बजे तक किया जाता है। पाँच-सदस्यीय संचालन समिति अपने संभाग के लगभग 20-25 सदस्यों के साथ इस मीटिंग को संचालित करते हैं। इसमें स्व-मूल्यांकन एवं विषय-वस्तु की प्रस्तुति के साथ ही आगामी बुधवार मीटिंग की कार्ययोजना पर भी चर्चा की जाती है। संभाग गाइड द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस मीटिंग की रिपोर्ट अगले मंगलवार की मीटिंग में प्रस्तुत की जाती है। माह के प्रथम बुधवार को सभी संभागों की संयुक्त मीटिंग होती है, जिसमे आनंद विभाग, शिक्षा विभाग और AICTE की टीम एवं सभी यूएचवी टीम के सक्रिय सदस्यों के समक्ष मासिक पत्रिका "आनंद संचारिका" का प्रकाशन किया जाता है, साथ ही सभी संभागों द्वारा अपडेट रखा जाता है।

मेरी यूएचवी यात्रा...

महेश मकवाना
माध्यमिक शिक्षक
शा. सांदीपनि विद्यालय घटिया
जिला- उज्जैन

मेरी UHV की प्रथम कार्यशाला 8 मई 2023 से 13 मई 2023 वाल्मी कैंपस भोपाल में हुई थी, उसके पश्चात् 2025 में मैंने लगातार 3 और कार्यशालायें कीं। UHV की कार्यशाला में भाग लेना मेरे लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। इस कार्यशाला के माध्यम से मुझे जीवन के वास्तविक उद्देश्य, मानव मूल्यों तथा सही जीवनशैली को समझने का अवसर मिला। पहले मैं जीवन में केवल सफलता और भौतिक साधनों को ही महत्वपूर्ण मानता था, लेकिन इस कार्यशाला से मुझे यह समझ आया कि वास्तविक सुख केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि अच्छे विचार और सही समझ से प्राप्त होता है। कार्यशाला के दौरान विभिन्न गतिविधियों, चर्चाओं और उदाहरणों के माध्यम से यह समझ में आया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सुख, शांति और सम्मान चाहता है। यदि हम अपने व्यवहार में ईमानदारी, सहयोग, प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को अपनाएँ, तो हम अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल में बेहतर संबंध स्थापित कर सकते हैं। मैंने यह अनुभव किया कि अच्छे संबंध ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। इस कार्यशाला ने मुझे आत्मचिंतन करने की प्रेरणा दी।

मैंने अपने व्यवहार और सोच का मूल्यांकन किया तथा यह समझने का प्रयास किया कि किन आदतों में सुधार की आवश्यकता है। मुझे महसूस हुआ कि कई बार मैं छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित हो जाता था या दूसरों की भावनाओं को ठीक से नहीं समझ पाता था। अब मैं धैर्यपूर्वक सुनने, शांतिपूर्वक सोचने और समझदारी से निर्णय लेने का प्रयास करता हूँ।

कार्यशाला के माध्यम से मुझे यह भी समझ आया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक अच्छा और जिम्मेदार इंसान बनना भी है। मानव जीवन में नैतिक मूल्यों का बहुत महत्व है। यदि व्यक्ति केवल अपने लाभ के बारे में सोचता है, तो समाज में असंतुलन और तनाव बढ़ता है। वहीं यदि हम सहयोग, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान की भावना रखते हैं, तो समाज में सुख और शांति बनी रहती है।

मैंने यह भी सीखा कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। हमें प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग करना चाहिए तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक रहना चाहिए।

इस कार्यशाला के बाद मेरे विचारों और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आया है। अब मैं अपने दैनिक जीवन में अनुशासन, समय का सदुपयोग, सकारात्मक सोच और दूसरों के प्रति सम्मान बनाए रखने का प्रयास करता हूँ। मैं परिवार के सदस्यों और मित्रों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की कोशिश करता हूँ।

स्व-मूल्यांकन के रूप में मैं मानता हूँ कि अभी भी मुझे अपने व्यक्तित्व में कई सुधार करने की आवश्यकता है। मुझे अपने क्रोध पर नियंत्रण और निरंतर सकारात्मक सोच विकसित करने पर अधिक ध्यान देना होगा।

कार्यशाला के बाद आसानी से विद्यार्थियों से जुड़ कर ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य कर पा रहा हूँ तथा विद्यार्थियों में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

UHV की विषय-वस्तु सभी तक पहुंच पाए, इस रूप में प्रति मंगलवार UHV टीम की मीटिंग में उज्जैन संभाग के लिए सब-कोऑर्डिनेटर की भूमिका में कार्य कर रहा हूँ।

मैं सभी के साथ एक बात साझा करना चाहता हूँ कि पिछले वर्ष सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को अध्यापन करते समय जब मैं उनसे साथ संबंध पूर्वक जुड़कर पूरे वर्ष अध्ययन का कार्य करवाया तो मेरे अंग्रेजी विषय में नियमित उपस्थित रहने वाले सभी विद्यार्थी शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए और मेरी पुरानी सोच कि कमजोर बच्चे, जिन्हें कक्षा 8वीं तक अंग्रेजी पढ़ना नहीं आता वे पास नहीं हो सकते हैं परंतु मेरी ऐसी मानसिकता बदली है और अब आगे से मैं सभी विद्यार्थियों के साथ संबंध पूर्वक जुड़कर अध्यापन कार्य करता हूँ। किसी को कमजोर या अधिक के आधार पर तुलना नहीं करता हूँ।

अंत में, मैं कह सकता हूँ कि UHV कार्यशाला मेरे जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही। इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनने की दिशा दिखाई तथा जीवन को सही दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा दी।

प्रतिभागियों के स्वमूल्यांकन

"सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को अपनाने के बाद मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर जल्दी गुस्सा हो जाती थी, लेकिन अब मैं शांत रहने और सोच-समझकर प्रतिक्रिया देने की कोशिश करती हूँ। मैंने अपने अंदर ईमानदारी, सहयोग और सम्मान जैसे गुणों को बढ़ाने का प्रयास किया है। अब मैं दूसरों की भावनाओं को समझने और उनकी मदद करने के लिए अधिक तैयार रहती हूँ। मेरे व्यवहार में धैर्य और जिम्मेदारी भी बढ़ी है। मैं अपने कार्यों को अब समय पर पूरा करने की आदत विकसित कर रही हूँ।

इस प्रकार मानवीय मूल्यों को अपनाने से मेरा व्यक्तित्व बेहतर बना है और मैं एक अच्छी इंसान बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हूँ।"

श्रीमती माया राठौर, शा. सांदीपनि उ. मा. विद्यालय निसरपुर जिला-धार

"मैं यह अनुभव करती हूँ कि जब से मैं यूएचवी से जुड़ी हूँ, तब से मेरे जीवन में परिस्थितियों को देखने का मेरा दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से परिवर्तित हुआ है। अब मैं हर स्थिति को अधिक समझदारी और संतुलन के साथ देख पाती हूँ। मेरा पहला प्रयास स्वयं में सुधार करना है, क्योंकि मैं मानती हूँ कि यदि व्यक्ति स्वयं के भीतर संतुलित और सही दिशा में होता है, तो बाहरी परिस्थितियाँ भी स्वतः अनुकूल होने लगती हैं। स्वयं में सुधार के साथ परिवार में व्यवस्था और समाज में सामंजस्य भी बेहतर बनता है। पर्यावरण के प्रति मेरा दृष्टिकोण भी बदला है। पहले इस ओर मेरा ध्यान कम जाता था। इस प्रकार, यूएचवी ने मेरे विचारों और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाकर मुझे एक बेहतर इंसान बनने की दिशा में प्रेरित किया है।"

सुनीता परिहार, मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल सांवेर रोड, उज्जैन

"सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों की तीन एवं फिर पांच दिवसीय कार्यशाला, 'आनंद की ओर' करने के बाद मेरी सोच में काफी परिवर्तन आया है या यूँ कहें परिमार्जित हुई है। पहले घर में या कार्यस्थल पर कभी किसी ने मेरे मन का कार्य न किया या मेरी बातों को नहीं माना या अनदेखा कर दिया तो मैं अपने मन में उसके प्रति एक द्वेष पाल लेती थी। बात-चीत बंद कर देती थी। तब तक बात नहीं करती जब तक पहल सामने वाला न करे। और कभी-कभी तब भी जवाब नहीं देती थी, मगर अब हर बात को प्रस्ताव के रूप में रखती हूँ स्वयं को मानसिक रूप से इस प्रकार तैयार रखकर कि 'स्वीकार किया तो ठीक और न भी किया तो भी कोई बात नहीं।' मेरा आनंद इससे कम नहीं होगा और न ही मेरा सम्मान। एक बात और करने लगी हूँ यूएचवी कार्यशाला में सीखकर कि पहले यह देखती हूँ कि वो व्यक्ति मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है, वो मेरे परिवार का सदस्य है, मैं उससे और वो मुझसे भावों से जुड़ा है तो आवेश के समय इच्छा, विचार, आशा को कुछ पल टटोलती हूँ फिर यदि विरोध का स्वर चलता दिखता है तो कुछ शांत समय लेकर उस स्वर को रोकती हूँ और संबंध वाले स्वर को चलाती हूँ और धीरे-धीरे वो क्रोध गायब हो जाता है। मन से उससे उस समस्या पर बात करने की स्थिति में आ जाती हूँ।"

डॉ. मीनू पांडेय, निदेशक, बाल साहित्य शोध सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, भोपाल

"मैं अपना मूल्यांकन करूं तो मैं देख पाती हूँ कि यूएचवी से जुड़ने के बाद ही मुझे यह स्पष्ट हुआ कि मानव का मुख्य उद्देश्य निरंतर सुख को पाना है जो कि सही-समझ, सही-भाव और परस्परता में जीने से सुनिश्चित होता है। मैं अब यह स्पष्ट रूप से देख पाती हूँ कि सुख स्वभाव है प्रभाव नहीं और मैं यह भी देख पाई हूँ कि जितना-जितना मेरे भाव और विचार मेरी सहज-स्वीकृति से केंद्रित हो रहें हैं उतना-उतना मैं अपने मैं व्यवस्थित हो रही हूँ, उसका सुख मुझे मिल रहा है, क्यूँकि भाव के साथ भागीदारी जुड़ी है और मुझे अपनी योग्यता का पता भी संबंधों में भागीदारी करने से ही चलता है। जब-जब मैं दूसरे की अयोग्यता से प्रभावित होती हूँ तो मैं स्पष्ट रूप से देख पाती हूँ कि यह मेरी अयोग्यता ही है। हर-पल हर- क्षण मुझमें क्या भाव विचार चल रहें हैं इसके प्रति सजगता बढ़ाने की और ज्यादा आवश्यकता दिखाई देती हैं, जिससे मैं अपनी योग्यता को बढ़ाने क़े साथ-साथ दूसरे की योग्यता को बढ़ाने में भी सहयोग कर पाऊं। बार-बार यही दिखता है कि काम तो अपने ऊपर ही करते रहना है, परिवार और समाज के स्तर पर भावपूर्वक जीने का प्रयास निरंतर बना हुआ है इसके लिए मैं पूरी यूएचवी टीम को हृदय से धन्यवाद प्रेषित करती हूँ।

डॉ. हेमलता जैन, सहायक प्रोफेसर, शारदा विश्वविद्यालय, आगरा उ. प्र.

मेरी UHV यात्रा की शुरुआत कोरोना काल (2020–21) में एक ऑनलाइन परिचय कार्यशाला से हुई। बाद में मैंने नागपुर और कानपुर में ऑफलाइन कार्यशालाओं में भाग लिया तथा 2022 से नियमित रूप से मॉर्निंग मीटिंग्स से जुड़ी रही। UHV के माध्यम से मैंने स्वयं को समझने की शुरुआत की और यह देखना शुरू किया कि मेरे भाव, विचार और संस्कार मेरे व्यवहार तथा संबंधों को कैसे प्रभावित करते हैं। पहले मैं कम बोलती थी, अपनी बात खुलकर व्यक्त नहीं कर पाती थी और कई बार भीतर गुस्सा होने पर भी उसे दबाकर रखती थी।

धीरे-धीरे मैंने समझा कि संबंधों में दूरी का कारण बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि घटनाओं को गलत अर्थ देना है। अपनी बेटी और बचपन के अनुभवों के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि गलत अर्थ देने की आदत ही कई दुखों और भ्रमों का कारण बनती है। कॉलेज में भी मैंने देखा कि मैं छात्रों के व्यवहार को अक्सर अपने बारे में मान लेती थी। बाद में अनुभव से सत्यापन हुआ कि वे स्वाभाविक रूप से अपने साथियों के साथ सहज होते हैं। इससे मेरे कई भ्रम दूर हुए और संबंधों में सहजता बढ़ी। मैंने यह भी समझा कि सामाजिक दबाव से अधिक महत्वपूर्ण बच्चों का सुखी और संतुलित जीवन है।

अब बाहरी उपायों की अपेक्षा मैं अपने भीतर की समझ और स्पष्टता पर अधिक भरोसा करती हूँ। UHV ने मुझे यह समझने में मदद की कि सुख मेरा स्वभाव है और असहजता तब बनती है जब मैं मान्यताओं और संवेदनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देती हूँ। नियमित मॉर्निंग मीटिंग्स, वर्कशॉप्स और अभ्यासों के माध्यम से मेरे भीतर सजगता, स्पष्ट संवाद, जिम्मेदारी, संबंध-भाव और सहजता का विकास हुआ है।

भाग्यशाली विक्रम जाधव, लेक्चरर, कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट,
पिम्प्री चिंचवड़ पॉलिटेक्निक, पुणे, महाराष्ट्र

राज्य आनंद संस्थान के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य आधारित कार्यक्रम

क्र.	दिनाँक	कार्यक्रम	कार्यक्रम स्थल
1	22 से 24 अप्रैल 2026	आनंद की ओर तीन दिवसीय कार्यशाला (ट्राइबल विभाग के अधीक्षकों हेतु)	वाल्मी, कलियासोत डेम, भोपाल
2	04 मई से 13 जून 2026 31 मई से 12 जून 2026	आनंद सभा छः दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण, (यूएचवी-II) 19 कार्यशालाएं छः दिवसीय यूएचवी रिफ्रेशर 02 कार्यशालाएं	आर.ए.एस., भोपाल वाल्मी, भोपाल ई. टी. सी., भोपाल पेसिव (PSSCIVE) भोपाल ग्लोबल स्किल पार्क, भोपाल
3	15 से 19 जून 2026	फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MANIT), भोपाल

कार्यशाला का नाम : आनंद की ओर तीन दिवसीय कार्यशाला (जनजातीय कार्य विभाग के अधीक्षकों हेतु)

दिनाँक : 22 से 24 अप्रैल 2026

स्थान : वाल्मी, कलियासोत डेम, भोपाल

आनंद विभाग द्वारा ट्राइबल विभाग के छात्रावास अधीक्षकों के लिए दिनांक 22 से 24 अप्रैल के मध्य 3 दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 58 छात्रावास अधीक्षकों ने सहभागिता की।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों की समझ विकसित करना तथा उन्हें अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं कार्यस्थल के जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित करना था। विभिन्न सत्रों, संवादों एवं गतिविधियों के माध्यम से अधीक्षकों ने जीवन में संतुलन, संबंधों में विश्वास और जिम्मेदारी की भूमिका को समझा।

कार्यशाला के अंत में हुए स्वमूल्यांकन (Self-Reflection) में प्रतिभागियों ने यह साझा किया कि यह प्रशिक्षण उनके व्यक्तिगत जीवन, परिवार तथा कार्यस्थल के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। विशेष रूप से, उन्होंने यह महसूस किया कि वे अपने छात्रावास में निवासरत लगभग 240 विद्यार्थियों के साथ बेहतर संवाद, मार्गदर्शन एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

शासकीय शिक्षकों हेतु 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य' कार्यशालाएं (मई-जून 2026)

राज्य आनंद संस्थान, मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग एवं यूएचवी सैल (एआईसीटीई) के संयुक्त प्रयास द्वारा 04 मई से 13 जून 2026 तक कुल 21 छह-दिवसीय आवासीय कार्यशालाओं का आयोजन भोपाल में पाँच केंद्रों पर हुआ। इसमें लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश के तहत कुल 1870 शासकीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। एआईसीटीई द्वारा नामित 10 प्रबोधकों के मार्गदर्शन में, लगभग 135 यूएचवी वॉलंटियर्स के मनोयोग एवं सक्रिय भागीदारी से इन कार्यशालाओं का सफल क्रियान्वयन संभव हो पाया। इसके फलस्वरूप प्रदेश में यूएचवी-प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या लगभग 7000 हो गयी है, जो कि मूल्य शिक्षा के लोकव्यापीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कार्यक्रम के उद्देश्य:-

- नई शिक्षा नीति- 2020 के प्रावधानों के अनुरूप समग्र एवं मूल्यपरक शिक्षा को बढ़ावा देना।
- विद्यालयीन शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करना।
- स्व-अन्वेषण (Self-Exploration) के माध्यम से जाँच-परख करके मानवीय मूल्यों को जीने की योग्यता का विकसित करना।
- मानव के जीने के चारों आयामों (व्यक्ति, परिवार, समाज एवं प्रकृति/अस्तित्व) को ठीक-ठीक समझने और वैसा ही जीने की योग्यता विकसित करना।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में मानवीय मूल्यों के समावेश करने हेतु एक वातावरण तैयार करना।
- विद्यालय में आनंद सभा की कक्षाएं लेने के लिए शिक्षकों को तैयार करना।

'आनंद सभा' शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं की जानकारी

S. No.	Sambhag	Date	Venue	RP Team	No. of Participants
1	Bhopal	04-09 May	RAS	Mohit Shrivastav Ji, Arjita Dwivedi Ji, Ritu Das Ji, Ranjana Malviya Ji, Sudha Bajpai ji, Anita Bajpai	51
2	Jabalpur	04-09 May	ETC	Alok Pandey Ji, Manisha Khare Ji, Deepti Thakur Ji, Sunil Patidar Ji, Bhasker Bhatt ji, Shreeda Pathak Ji	47
3	Rewa (shaldol)	04-09 May	Walmi	Vanchna Ji, Kaushal Butoliya Ji, Premanjali Trivedi ji, Ravishankar Rajak Ji, Mukesh Jadhav Ji, Anjoo Devi Ji	55
4	Rewa	11-16 May	ETC	Mohit Sharivasta Ji, Sanjana Ji, Parveen Ji, Premlata Upadhyay ji, Deepti Gaur Ji, Vipra Modi	91
5	Sagar	11-16 May	Walmi	Himanshu Rai Ji, Yogita Rawat Ji, Jitendra Malviya Ji, Ravishankar Rajak Ji, Anjoo Devi Ji, Shreeda Ji	80

S. No.	Sambhag	Date	Venue	RP Team	No. of Participants
6	Bhopal	11-16 May	RAS	Nidhi Sachade Ji, Alka Warudkar Ji, Kumkum Nagesh Ji, Jeevan Razak Ji, Asha Ahirwar Ji, Manju Dayma Ji	101
7	Ujjain	18-23 May	ETC	RP Singh Ji, Kesharichand Ji, Sunil Patidar Ji, Meenakshi Vajpai Ji, Reshma Hashmi Ji, Sachin Daksh Ji	67
8	Gwalior	18-23 May	RAS	N K Sharma Ji, Kaushal Butoliya Ji, Shailendra Karn Ji, Manoj Jain Ji, Bharti Shakya Ji, Suman Jain	108
9	Gwalior (Chambal)	18-23 May	Walmi	Mohit Shrivastav Ji, Ajay Bajpai Ji, Premanjali Trivedi Ji, Prashant Priy Gaur Ji, Raj Kumar Sen ji, Prashant Bhadoriya Ji	91
10	Bhopal	25-30 May	Walmi	Himanshu Rai Ji, Sunita Sharma Ji, Sachin Daksh Ji, Bhagwat Jangde Ji, Tripti Sharma Ji, Brijesh Tomar ji	83
11	Indore	25-30 May	RAS	RP Singh Ji, Raj Kumari Ji, Pooja Chauhan Ji, Ganesh Kanade Ji, Sudha Bajpai Ji, Sangeeta Ekle ji, Kailash Bhavsar ji	92
12	Jabalpur	25-30 May	ETC	Alok Pandey Ji, Manisha Shukla Ji, Manisha Khare Ji, Balveer Bundela Ji, Vipra Modi ji, Awadh Pratap Singh ji	94
13	Indore	01-06 June	ETC	Ajay Kumar Pal Ji, Priya Shrivastav Ji, Sangeeta Shukla Ji, Pawan Kumar ji, K B Mansare Ji, Kajal Indore Ji, Akhilesh Mishra ji	98
14	Jabalpur	01-06 June	Walmi	Mohit Shrivastav Ji, Manisha Khare ji, Ramesh Napit Ji, Barkha Rajput Ji, Rajesh Patel Ji, Somnath Ji	103
15	Sagar	01-06 June	PSSCIVE	Akhilesh Argal Ji, Rachna Shrivastav Ji, Keshrichand Ji, Anil Patel Ji, Kirtiman Shukla, Alka Chaturvedi ji	100
16	All Sambhag	01-06 June	RAS	Alok Pandey Ji, Kaushal Butoliya Ji, Shraddha Gupta Ji, KB Mansare Ji, Tripti Sharma Ji, Manish Soni Ji, Vipra Modi Ji	167
17	Ujjain	08-13 June	PSSCIVE	N K Sharma Ji, Kesrichand Ji, Mahesh Makwana Ji, Jitendra Malviya Ji , Sunita Panwar Ji, Hira Lal Ji, Anuradha Katare Ji	104

S. No.	Sambhag	Date	Venue	RP Team	No. of Participants
18	Gwalior	08-13 June	WALMI	Mohit Shrivastav Ji, Ritu DasJi, Pritesh Chaurasiya Ji, Shiv Pratap Singh Ji, Gajendra Sarkar Ji, Rekha Shrivastav Ji, Ramakant Ji	88
19	Indore	08-13 June	ETC	Himanshu Rai Ji, Shirish Suman Ji, Shraddha Gupta Ji, Ravishankar Rajak Ji, Pushpa Atoot Ji, Poonam Singh Ji,	97
20	All Sambhag	31 May-05 June	Global	Bhanu Pratap Singh Ji, Yudhisthir Singh Ji, Yogita Rawat Ji, Prashant Priya Gaur, Sachin Daksh Ji,	67
21	All Sambhag	07-12 June	Global	Bhanu Pratap Singh Ji, Nidhi Sachde Ji, Manisha Khare ji, Meenakshi Vajpai Ji, Sunil Patidar Ji, Anjoo Devi Ji	46

4 मई से 13 जून के बीच आयोजित कुल 21 कार्यशालाओं में से 19 यूएचवी-II तथा 02 यूएचवी-रिफ्रेशर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इस वृहद अभियान के योजना निर्माण, पूर्व तैयारी एवं क्रियान्वयन में राज्य आनंद संस्थान से आदरणीय श्री आशीष कुमार गुप्ता (मुख्या कार्यपालन अधिकारी), श्री सत्यप्रकाश आर्य (निदेशक) एवं श्री प्रवीण गंगराड़े (निदेशक); श्री शंकर खत्री (शिक्षा विभाग) एवं श्री भानु प्रताप सिंह (मेंटर व प्रबोधक, यूएचवी) का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व महत्वपूर्ण रहा। इसके अतिरिक्त, अभियान के सफल एवं सुचारू संचालन व समन्वय में विभिन्न टीमों जैसे- समन्वय, तकनीकी सहयोग, प्रतिभागी-कोऑर्डिनेशन टीम आदि के अथक परिश्रम से यह अभियान सफल परिणति तक पहुंचा जिनका विस्तृत विवरण निम्न तालिका में दिया गया है-

No	Team	Team Members
1.	LPC Team	Debashish Vishwas Ji, Manu Dixit Ji, Abhishek Sharma Ji, Dr. K. P. Tiwari Ji, Keshrichand Purohit Ji, Pradeep Mehton Ji, Mukesh Karua Ji, Rajesh Patel Ji, Vijay Baraskar Ji
2.	Technical Team	Anil Rathore Ji, Kesrichand Purohit Ji, Sushmita Jain Ji, Jeetendra malviya Ji, Kumkum Nagesh Ji, Ramesh Napit Ji, Sachin Daksh Ji, Kajal Indore Ji
3.	Participants Co-ordination Team	Dr. K. P. Tiwari Ji, Dhirendra Tomar Ji, Shraddha Gupta Ji, Rajesh Patel Ji, Ajeet Mehton Ji, Akash Dubey Ji
4.	RP Co-ordination Team	Motichand Yadav Ji Yogita Rawat Ji, Rachna Shrivastav Ji, Meenakshi Vajpayi Ji

उपलब्धियाँ:-

- आपसी संवाद एवं समूह चर्चा के माध्यम से शिक्षा के मुख्य पाठ्यक्रम' में कौशल शिक्षा के साथ-साथ मूल्य शिक्षा के समावेश की अनिवार्यता पर सभी प्रतिभागियों का ध्यान गया।
- कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में हुई चर्चा से शिक्षकों में शिक्षण का नवीन दृष्टिकोण तैयार हो पाया, जिसके फलस्वरूप प्रतिभागी शिक्षक, परिवार, विद्यालय एवं समाज में मानवीय मूल्यों को पहुँचने हेतु अपनी जिम्मेदारी को समझ पाए और भागीदारी के लिए भी मानस बना पाए।
- विद्यालयों में संचालित हो रही 'आनंद सभा' की कक्षाओं में विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से पहुंचाने हेतु प्रस्ताव विधि व स्वअन्वेषण की प्रक्रिया पर सभी प्रतिभागियों का ध्यान गया।
- सत्रों के दौरान सहज-स्वीकृति, सही-समझ, मानव में व्ययस्थ, संबंधों में भाव, कल्पनाशीलता से जुड़ें प्रस्तावों का समूह चर्चा के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अभ्यास किया और अपने सुख पूर्वक जीने के लिए इन्हें आवश्यक पाया।

उपस्थिति (बुधवार मीटिंग)								
क्र.	संभाग / विवरण	ग्वालियर	रीवा	इंदौर	उज्जैन	सागर	भोपाल	जबलपुर
	कुल सदस्य	34	36	19	30	27	51	25
1	दिनांक	22 अप्रैल 2026						
	उपस्थित सदस्य	9	12	9	10	14	12	12
	अनुपस्थित सदस्य	21	24	10	20	15	36	13
2	दिनांक	29 अप्रैल 2026						
	उपस्थित सदस्य	09	15	08	10	17	12	08
	अनुपस्थित सदस्य	25	21	11	20	10	36	17
3	दिनांक	06 मई 2026						
	उपस्थित सदस्य	06	06	05	06	07	08	04
	अनुपस्थित सदस्य	28	30	14	24	20	40	21
4	दिनांक	13 मई 2026						
	उपस्थित सदस्य	08	07	07	12	11	9	11
	अनुपस्थित सदस्य	26	29	12	18	16	42	14
5	दिनांक	20 मई 2026						
	उपस्थित सदस्य	03	08	08	10	10	10	07
	अनुपस्थित सदस्य	31	28	11	20	17	41	18

शुक्रवार मीटिंग: मध्यप्रदेश के समस्त आनंद सभा प्रशिक्षित शिक्षकों के साथ प्रत्येक शुक्रवार को सांय 6:00 से 7.30 बजे तक एक ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया जाता है। शास. सांदीपनि उ. मा. विद्यालयों में प्रत्येक शनिवार को होने वाली 'आनंद-सभा' की विषय-वस्तु पर शिक्षकों में स्पष्टता एवं गहराई लाने के आशय से मुख्य प्रबोधक द्वारा चर्चा की जाती है। इसके साथ ही शिक्षकों की शंकाओं का समाधान भी किया जाता है। शनिवार को अपने-अपने विद्यालय में छात्रों के साथ आनंद-सभा के संचालन हेतु उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस मीटिंग मे लगभग 700 शिक्षकों के साथ संवाद किया जाता है।

उपस्थिति एवं प्रस्तुतकर्ता का विवरण (शुक्रवार)

क्र.	मीटिंग दिनांक	24 अप्रैल	01 मई	08 मई	15 मई	22 मई	29 मई	05 जून	12 जून	19 जून
1	उपस्थित सदस्य	151	117	168	149	137	149	134	139	150
2	विषय-वस्तु	स्व अन्वेषण प्रक्रिया	सुख और समृद्धि	सुख समृद्धि और स्व अन्वेषण प्रक्रिया	मानव में व्यवस्था	मानव में व्यवस्था	समाज में व्यवस्था	परिवार में व्यवस्था	परिवार में व्यवस्था	परिवार में व्यवस्था
3	प्रबोधक	पवनेन्द्र जी	पवनेन्द्र जी	पवनेन्द्र जी	कौशल बुटोलिया जी	कौशल बुटोलिया जी	पवनेन्द्र जी	हिमांशु जी	प्रियदर्शनी जी	कौशल बुटोलिया जी

उच्च शिक्षा मीटिंग: राज्य आनंद संस्थान द्वारा विगत आठ माह से मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों लिए सार्वभौमिक मानवीय मूल्य आधारित "फैकल्टी डेवलपमेंट" छः दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापक शामिल होते हैं। विषय-वस्तु को और गहराई से समझने एवं अध्ययन-अभ्यास की निरंतरता बनाये रखने के लिए उच्च शिक्षा के प्रतिभागियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन प्रत्येक शुक्रवार शाम 7.30 से 8.30 तक किया जाता है, जिसमें लगभग 20 निष्ठावान एवं सक्रिय प्राध्यापकों के साथ संवाद किया जाता है।

उच्च शिक्षा मीटिंग- उपस्थिति एवं प्रस्तुतकर्ता का विवरण (शुक्रवार)

क्र.	मीटिंग दिनांक	24 अप्रैल	01 मई	08 मई	15 मई	22 मई	29 मई	05 जून	12 जून	19 जून
1	उपस्थित सदस्य	16	16	19	09	14	10	10	10	10
2	विषय-वस्तु	स्व-मूल्यांकन, समृद्धि, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन, समृद्धि, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन, समृद्धि, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन, समृद्धि, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन स्वयं में व्यवस्था प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन स्वयं में व्यवस्था, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन मानव में व्यवस्था, प्रश्नोत्तरी	स्व-मूल्यांकन मानव में व्यवस्था, प्रश्नोत्तरी
3	प्रबोधक	हिमांशु रॉय जी	हिमांशु रॉय जी	हिमांशु रॉय	मोहित श्रीवास्तव जी	हिमांशु रॉय जी	हिमांशु रॉय जी, मोहित श्रीवास्तव जी	हिमांशु रॉय जी	मोहित श्रीवास्तव जी	मोहित श्रीवास्तव जी हिमांशु रॉय जी

समाज के लिए मीटिंग: राज्य आनंद संस्थान द्वारा निरंतर सार्वभौमिक मानवीय मूल्य आधारित "आनंद की ओर" तीन दिवसीय एवं पांच दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गैर शासकीय एवं समाज के लोगों की भागीदारी होती है। विषय-वस्तु को और गहराई से समझने एवं अध्ययन-अभ्यास की निरंतरता बनाये रखने के लिए समाज के प्रतिभागियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन प्रत्येक सोमवार शाम 7.30 से 8.30 तक किया जाता है, जिसमें लगभग 40 निष्ठावान एवं सक्रिय लोगों के साथ संवाद किया जाता है।

समाज के लिए मीटिंग- उपस्थिति एवं प्रस्तुतकर्ता का विवरण (सोमवार)

क्र.	मीटिंग दिनांक	20 अप्रैल	27 अप्रैल	04 मई	18 मई	25 मई	01 जून	08 जून	15 जून
1	उपस्थित सदस्य	36	39	31	25	21	21	21	32
2	विषय-वस्तु	लक्ष्य, कार्यक्रम, जांचना	मानव चेतना में जीता हुआ मानव	मानव समाज में व्यवस्था	मानव में व्यवस्था	मानव में व्यवस्था	मानव में सुख	स्वयं में संगीत व्यवस्था	स्वयं में व्यवस्था
3	प्रबोधक	अर्जिता दीदी	रितु दीदी	अलका दीदी	रितु दीदी	राजकुमार भैया, कुमकुम दीदी	रितु दीदी, मोहित भैया	अलका दीदी	रितु दीदी

आरएएस-यूएचवी के आगामी कार्यक्रम

क्र.	दिनाँक	कार्यक्रम	कार्यक्रम स्थल
1	22-25 जून 2026	फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	मौलाना आजाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MANIT), भोपाल
2	02-04 जुलाई 2026	यूएचवी नेशनल मीट	ईटीसी, भोपाल

प्रदेश से बाहर UHV के प्रमुख प्रयास

S. No.	Dates	Type	Duration	Organising Institution
1	09-11 June 2026	Introductory UHV FDP	3-day, face-to-face, Self-funded	Hi-Tech Institute of Engineering and Technology, Ghaziabad, UP
2	15-22 June 2026	UHV-II FDP	8-day, face-to-face, Self-funded	Ajay Kumar Garg Engineering College, Ghaziabad, UP
3	16-23 June 2026	UHV-III FDP	8-day, face-to-face, Self-funded	Shri Ramswaroop Memorial College of Engineering and Management, Lucknow, UP
4	22-29 June 2026	UHV-II FDP	8-day, face-to-face, Self-funded	KIET Deemed to be University, Delhi-NCR, Ghaziabad, U

यूएचवी छात्रों की दृष्टि से

“आनंद सभा जो हमें सिखाती है- सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर" और आनंद सभा से जोड़कर इस उपरोक्त कथन की पुष्टि मैंने स्वयं अनुभव की है। हमारे विद्यालय में संचालित यूएचवी कक्षाओं से मुझे न केवल आवश्यकताओं की सही-समझ प्राप्त हुई बल्कि मुझे जीवन की एक सही दिशा मिली है। इन कक्षाओं के माध्यम से मैंने समझ भी एक प्रस्ताव है और प्रस्ताव को मनाना नहीं बल्कि जांचना है, सुख-समृद्धि की सही-समझ, सहज-स्वीकृति को परखना जो कि मैं को स्वयं से अनुभव करने का एक मार्ग प्रदान करता है, सीखा है।"

यह एक बहुत ही सकारात्मक प्रभाव है जिसने मेरे जीवन में एक विशेष परिवर्तन किया और मुझे न केवल वर्तमान में जीवन की समझ प्रदान की बल्कि मेरे भविष्य की समझ को विकसित किया है।

मेरे जीवन में इन सभी विशेष परिवर्तनों का कारण न केवल आनंद सभा की कक्षाएं हैं बल्कि राज्य आनंद संस्थान के द्वारा प्रकाशित ‘आनंद संचारिका’ ने भी मुझे आनंद सभा को समझना, आनंद सभा क्या है? आनंद सभा के हमारे जीवन पर प्रभाव ,विभिन्न पाठकों के जीवन पर प्रभाव आदि से अवगत कराया जो कि मुझे आनंद सभा से जोड़ने और जीवन के मूल्य को समझने के प्रयास के लिए इच्छुक करती है।

मैं सदैव आनंद सभा से जुड़कर अपने जीवन को एक सही दिशा प्रदान करना चाहती हूँ और राज्य आनंद संस्थान को आनंद संचारिका तथा आनंद सभा के संचालन के लिए अधिकाधिक आभार व्यक्त करती हूँ।"

प्रतीक्षा यादव, कक्षा- 10वीं, शा. सांदीपनि उ. मा. विद्यालय, जिला- दमोह

“यूएचवी की कक्षा में मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं अपनी तुलना किसी से नहीं करता हूँ। मैंने यूएचवी की कक्षा से सीखा कि हमें किसी से झगड़ा नहीं बल्कि सहयोग करना चाहिए। हमने मानना नहीं जानना सीखा है। हमने आनन्द सभा की कक्षा में बहुत कुछ सीखा है। मेरे जीवन में अनेक परिवर्तन आए। हमारे शिक्षक ने बहुत कुछ सिखाया है। हमें समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। हमें लोगों के साथ सम्बन्ध पूर्वक रहना चाहिए। हमें किसी से प्रतिस्पर्धी प्रहीं अपितु श्रेष्ठता का भाव रखना चाहिए। मेरे जीवन में सुधार भी आए हैं। हमें एक साथ रहना चाहिए। अब में सभी के साथ मिलजुल कर रहने का प्रयास करता हूँ | में अब अपनी ही नहीं दूसरे के विषय में भी सोचता हूँ।”

अभिषेक पाण्ड़े, कक्षा: नवमी (C) शा. सांदीपनि विद्यालय घटिया, जिला- उज्जैन

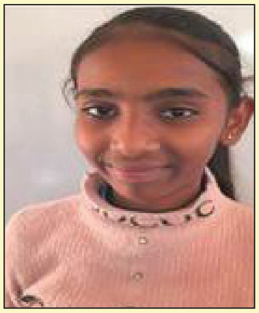

"मुझे इस UHV कक्षा से बहुत बातें सीखने को मिली हैं। मुझे इससे यह समझ आया कि हमें किसी वस्तु का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। हमें हर चीज़ की वैल्यू ठीक से पहचाननी चाहिए। हमने इससे यह सीखा कि हमें हर चीज़ बिना सोचे समझे नहीं करना चाहिए। हमें हर बात को मानने से पहले जानना चाहिए और मुझे UHV से यह भी अनुभव हुआ कि हमें सोच समझ कर बातें करनी चाहिए। मुझे इस कक्षा से यह परिवर्तन हुआ है कि हमें किसी की बातें मानने से पहले जानना चाहिए और हमें हमारे जीवन की हर एक बात की वैल्यू जाननी चाहिए। और हमें हमेशा हमारी व्यवस्था बनानी चाहिए। हमें हमेशा सभी से अच्छे संबंध बनाना चाहिए।"

माहिया विश्वकर्मा, कक्षा – 9वीं, शा. सांदीपनि विद्यालय घटिया, जिला- उज्जैन

"जब से मैंने विद्यालय में UHV की कक्षा को ज्वाइन किया है तभी से मैंने दूसरों की मदद करना सीखा। जीवन में नयी-नयी बातों को जाना है, नई-नई चीजें सीखीं, पढ़ाई में मेरा मन एकाग्र होने लगा, सोचने की क्षमता बढ़ी। दूसरों की मदद करना सीखा। धीरे-धीरे दूसरों पर भी विश्वास करना सीखा है। जीवन से जुडे बहुत सारे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मेरा ध्यान गया जो मेरे भविष्य में मेरे लिए काम आएगी।"

आकाशी केशरवानी, कक्षा- 9वीं, शा. सांदीपनि विद्यालय MLB न- 1
जिला- सागर

"UHV की कक्षाओं ने हमें जीवन जीने की कलाएँ सिखाई हैं और यह बहुत रोमांचक कक्षा थी। कुछ चीजें जीवन में बहुत बदलाव लाती हैं, ऐसे ही UHV की क्लास ने हमारे जीवन में कई बदलाव दिए। जीवन में कैसे रहना, किस समय क्या करना इत्यादि हमें बहुत कुछ पता चला। UHV की कक्षा सच में बहुत लाभकारी रही। जीवन में कुछ घटनाएँ ऐसी भी होती हैं जिनके बारे में हम सोच नहीं पाते, इसलिए शायद UHV की कक्षा बनाई गई है। हमारे पायोनियर विद्यालय में UHV की क्लास शनिवार को लगाई जाती है। सच में UHV की क्लास में ध्यानपूर्वक यदि कोई विद्यार्थी समझेगा तो उसके जीवन में कई लाभ आयेंगे।"

सिमरन रायकवार, कक्षा- 9वीं, सांदीपनि विद्यालय MLB न.1 जिला- सागर

"मुझमें कुछ बदलाव आया है, मैं कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा हूँ। मैं विगत दो वर्षों से आनंद सभा की कक्षाओं में उपस्थित हूँ। विद्यालय में संचालित विद्यार्थी कार्यशाला में भी उपस्थित रही हूँ। जीवन में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का बहुत प्रभाव पड़ा है। पहले मैं अपने साथियों से ईर्ष्या करतीं थी और घर में स्वयं का अधिमूल्यन, अवमूल्यन करती थी और बात-बात पर प्रतिक्रिया देती थी, किसी की भी चाहना पर शक करती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है, अब मैं ईर्ष्या तथा गुस्सा नहीं करती। दूसरों से तुलना नहीं करती और खुद को औरों से नहीं आंकती। अब मैं किसी की चाहना पर शक नहीं करती हूँ। मुझमें सम्मान का भाव सुनिश्चित हुआ है इसीलिए में दूसरे को अपने जैसा समझने लगी हूँ। ये बदलाव मैं अपने के देख पा रही हूं।"

रश्मि गड़ारी, कक्षा- 11वीं, शा. सांदीपनि विद्यालय जिला- सिहोरा

पाठकों के फीडबैक

"इस अप्रैल 2026 की "आनंद संचारिका" पत्रिका में सामग्री अच्छी, उद्देश्यपूर्ण और प्रेरणादायक है। विशेष रूप से "मानवीय मूल्य", "आनंद सभा", शिक्षकों की कार्यशालाएं और अनुभव साझा करना बहुत अच्छा लगा। भाषा भी सकारात्मक और संवेदनशील है।कार्यशालाओं और बैठकों का विवरण अच्छा है, लेकिन यदि प्रत्येक गतिविधि के साथ 1–2 फोटो हों तो पत्रिका अधिक जीवंत लगेगी। अनुभव अनुभाग बहुत अच्छा लगा।

ऐसे छोटे प्रेरक अनुभव और जोड़ें, खासकर ग्रामीण या जनजातीय क्षेत्र के शिक्षकों/बच्चों के। आनंद संचारिका के अंतिम पृष्ठ पर कार्यक्रम की जानकारी उपयोगी हैं। एक छोटा भाग बच्चों की रचनाएँ, चित्र, कविता या प्रेरक कहानी के लिए रखा जाए तो विद्यालयों में रुचि और बढ़ेगी। यदि आनंद सभा के वीडियो, गीत या गतिविधियों के लिए QR Code हो तो शिक्षक मोबाइल से सीधे सामग्री देख सकेंगे। कुल मिलाकर यह पत्रिका बहुत सकारात्मक पहल है। इसमें शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक चेतना को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से शिक्षकों को जोड़ने का प्रयास सराहनीय है।"

रश्मि ठाकुर, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला मुडारी, ब्लॉक जबेरा, जिला दमोह

"राज्य आनंद संस्थान मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित आनंद संचारिका पत्रिका हमारे सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने वाला एक उत्कृष्ट रोचक माध्यम है। यह पत्रिका जीवन की दशा और दिशा बदलने में सहायक सिद्ध हुई है। यह पत्रिका व्यवहारिक ज्ञान देने में अत्यंत सहायक है। इसके नए-नए अंक लगातार अधिक ज्ञानवर्धक, आकर्षक और रोचक होते जा रहे हैं। यह पत्रिका छात्र-छात्राओं , शिक्षकों एवं अभिभावकों तक सकारात्मक विचारों और मूल्य शिक्षा पहुंचने का एक बेहतरीन जरिया बन रही है ।

इस पत्रिका के माध्यम से सकारात्मक सोच और तनाव प्रबंधन पर नियंत्रण भी पाया गया है।"

मुग्धा उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षक (हिंदी) शासकीय सांदीपनि विद्यालय जिला- दमोह

राज्य आनंद संस्थान भोपाल एवं यू.एच.वी. सेल के समन्वय से बीते वर्षों में मानवीय मूल्यों पर मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। इसके तहत मानवीय मूल्यों को स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, समाज के लोगों तथा गांव के निवासियों तक पहुंचाया गया है, जो शिक्षा जगत की अनोखी पहल है।मूल्य शिक्षा के प्रति जन-जन को जागरुक करने के उद्देश्य में यह मासिक पत्रिका 'आनंद संचारिका' सफल रही है।

इसमें यूएचवी के भूत एवं भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं के बारे में जो जानकारी मिलती है वह बहुत ही उपयोगी है। साथ ही यूएचवी विषय-वस्तु के अध्ययन-अभ्यास से जीवन जीने में तथा यूएचवी गतिविधियों में भागीदारी करने में शिक्षकों तथा छात्रों की जो तत्परता बनती है उससे पाठकों को प्रेरणा मिलती है। समाज में मूल्य शिक्षा के प्रसार में यह पत्रिका वास्तव में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन जाती है।

मैं राज्य आनंद संस्थान एवं यू.एच.वी. सेल द्वारा आयोजित राज्य में होने वाले कार्यक्रमों, तथा संचारिका के सतत् प्रकाशन तथा अपने उद्देश्यों में सफल होने की कामना करता हूँ।

डॉ. युधिष्ठिर सिंह, हेड ऑफ़ द डिपार्टमेंट ह्यूमैनिटीज, हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, आगरा उ. प्र.

"राज्य आनंद संस्थान की ओर से प्रकाशित की जा रही मासिक पत्रिका आनंद संचारिका सचमुच सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से हमें आनंद की ओर ले जाने के लिए एक सराहनीय प्रयास है। इसके लिए आनंद विभाग मध्य प्रदेश शासन का मैं तहे दिल से धन्यवाद करती हूं। इस पुस्तिका के कई स्तंभ मुझे बेहद महत्वपूर्ण लगते हैं, विशेष रूप से "विशेष आलेख: अध्ययन एवं अभ्यास" जिसके द्वारा हर अंक में कुछ प्रस्तावों की ओर हमारा ध्यान दिलाया जाता है और हम उन प्रस्तावों का स्वान्वेषण कर पाते हैं। स्वान्वेषण की यह प्रक्रिया अपने आप में अनूठी है क्योंकि इसके द्वारा मैं बिना किसी बाहरी मदद के स्वयं में ही जांचने परखने का महत्वपूर्ण काम करने में सक्षम हो जाती हूं। इस प्रक्रिया से गुजरने के दौरान ही मेरा 'सही' की ओर स्वतः ही ध्यान चला जाता है और गलत छूट जाता है। UHV की विषय वस्तु सचमुच हमारे भावों और विचारों का परिमार्जन करने में सक्षम है। यह धीरे-धीरे हमारे कुसंस्कारों को त्याग कर सुसंस्कारों को अपनाने की धीमी किंतु एक कारगर प्रक्रिया है।आनंद संचारिका का स्तंभ "मूल्य प्रेरणा पुष्प" भी मेरा पसंदीदा स्तंभ है। इसमें मेरी भी कुछ रचनाएं प्रकाशित होती रहती हैं। इस पत्रिका के माध्यम से पूरे प्रदेश में चल रहे UHV के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिलने से अपने में उत्साह बना रहता है और स्वयं भी इस प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी करने का मन बनता है। मेरी ओर से पूरी आनन्द संस्थान एवं यूएचवी टीम को भविष्य की उज्जवल कामना के साथ बधाई एवं धन्यवाद।"

डॉ. सुनीता गोयल असोसियेट प्रोफेसर, एबीइएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, यू.पी.

मूल्य प्रेरणा पुष्प

कहानी : अहंकार का पतन

बच्चू लाल कोली,
माध्यमिक शिक्षक, शा. सांदीपनि उ. मा. वि.,
शिव नागर ब्लाक, महू जिला-इंदौर

गूगल बता दे खुश रहने की दवा,
क्यों बेचैन है आज हर इक हवा।

सुविधाएँ बढ़ीं, साधन भी आए,
फिर भी मन के रिश्ते क्यों मुरझाए।

मोबाइल में दुनिया सारी समाई,
पर भीतर की शांति कहीं खो आई।

जानकारी का सागर हाथों में है,
पर समाधान अब भी सवालों में है।

UHV हमें यह समझाता है,
सुख बाहर नहीं, भीतर से आता है।

सही समझ और अच्छे व्यवहार में,
खुशी बसती है हर परिवार में।

जब रिश्तों में विश्वास रहेगा,
हर दिल अपनेपन से भरेगा।

ना तुलना होगी, ना ईर्ष्या का जाल,
तभी बनेगा जीवन खुशहाल।

प्रकृति संग जब तालमेल होगा,
हर दिन मन में नया उजाला होगा।

जरूरत भर उपभोग करेंगे,
धरती माँ का सम्मान करेंगे।

गूगल केवल जानकारी देता है,
पर जीवन का सत्य अनुभव सिखाता है।

खुश रहने की असली दवा यही—समझ,
संबंध और सह-अस्तित्व सही।

ना दौलत में, ना केवल नाम में,
सुख है मानवता के काम में।

UHV का बस इतना संदेश—

"स्वयं सुखी बनो, और सबके लिए बनो अशेष।"

'आनंद सभा' शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं की कुछ झलकियां

04 से 09 मई 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

11 से 16 मई 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

18 से 23 मई 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

25 से 30 मई 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

01 से 06 जून 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

08 से 13 जून 2026 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

31 मई- 05 जून 2026 UHV-II रिफ्रेशर कार्यशाला

07 से 12 जून 2026 UHV-II रिफ्रेशर कार्यशाला

सार्वभौमिक मानवीय मूल्य समाचार पत्रों की दृष्टि से

नईदुनिया

राज्य आनंद संस्थान की पहल : 2160 शिक्षक होंगे आनंद सभा के प्रशिक्षक

विद्यालयों में परिपूर्ण जीवन शिक्षा की ओर कदम - आनंद सभा कार्यशालाएँ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राज्य आनंद संस्थान द्वारा शिक्षा को मानवीय और मूल्य-आधारित बनाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय आवासीय कार्यशालाओं की श्रृंखला शुरू की गई है।

इस पहल का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष कुमार ने वाल्मी, ईटीसी सेंटर नीलबड़ और राज्य आनंद संस्थान में किया। इस कार्यक्रम के तहत कुल 18 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 2160 शिक्षक भाग लेंगे।

संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने बताया कि आनंद सभा विद्यार्थियों के समग्र विकास का सशक्त माध्यम है। इससे उनमें आत्मविश्वास, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। कार्यशालाओं में संवाद, समूह चर्चा, गतिविधियों और व्यवहारिक अभ्यास के जरिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

मूल्य-आधारित शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

आशीष कुमार ने कहा कि आनंद सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उनका मानना है कि जब शिक्षक स्वयं इन मूल्यों को अपनाएंगे, तभी वे विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचा पाएंगे। यह पहल शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय भारत
हिन्दी दैनिक
दिनांक 23 मई सन 2026 दिन शनिवार

बोझ समझकर किया गया काम ही थकाता है — डॉ. मनीष वर्मा

नर्मदापुरम। आनंद विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय शिक्षकों के लिए आयोजित 'आनंद सभा' कार्यशाला के अंतर्गत राज्य स्तरीय सार्वभौमिक मानवीय मूल्य आधारित (UHV) प्रशिक्षण का आयोजन राज्य आनंद संस्थान, भोपाल में 18 मई से 23 मई 2026 तक किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में गुना, ग्वालियर एवं सीधी जिलों के शिक्षक प्रशिक्षार्थी सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के पांचवें दिवस लोक शिक्षण संचालनालय से अपर संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अधिक कार्य करने से नहीं, बल्कि कार्य को बोझ समझकर करने से थकता है। उन्होंने शिक्षकों से अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें संपूर्ण विश्व एक परिवार माना गया है। डॉ. वर्मा ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यालय तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जब शिक्षक स्वयं राष्ट्र के प्रति समर्पित होंगे, तो विद्यार्थियों में भी देशभक्ति एवं सकारात्मक चरित्र का विकास होगा। उन्होंने संकीर्ण सोच से बाहर निकलकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया, जिससे जीवन में आनंद की अनुभूति संभव है। उन्होंने महावीर स्वामी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चा 'महावीर' वह है, जो स्वयं से संघर्ष कर आत्मविकास की ओर अग्रसर होता है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) में मूल्य आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दिए जाने की भी बात कही। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक भी लिया गया। इससे पूर्व सभी दिवस में मानव, परिवार एवं समाज आधारित मानवीय मूल्यों पर आधारित सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का संचालन राज्य आनंद संस्थान के डायरेक्टर सत्य प्रकाश आर्य के निर्देशन में किया जा रहा है।

3 मई 2026
पीपुल्स समाचार

IIT खड़गपुर के विशेषज्ञ बनाएंगे मास्टर ट्रेनर, प्रदेश भर में देंगे ट्रेनिंग

नई शिक्षा नीति के साथ स्कूली बच्चों को संस्कारवान बनाने की पहल

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल

मो.नं. 9425144091

मध्यप्रदेश में स्कूली बच्चों को नई शिक्षा नीति के तहत परिवार, नैतिक और मानव मूल्यों के संस्कार देने की कवायद शुरू की है। इसके लिए शासकीय स्कूलों के टीचर्स की ट्रेनिंग शुरू की जा रही है। आईआईटी खड़गपुर के विषय विशेषज्ञ दो हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे।

राज्य आनंद संस्थान ने प्रदेश के हर जिले से चयनित शिक्षकों को ट्रेनिंग देने का कार्यक्रम तैयार किया है। छात्रों में मूल्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह कवायद शुरू की गई है। संस्थान ने पिछले साल भी सभी जिलों की टीचर्स के लिए संभागीय स्तर पर एथिक्स और वैल्यूज से जुड़े विषयों पर ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया था।

स्कूली पाठ्यक्रम में करेंगे शामिल: शिक्षकों का यह ट्रेनिंग कार्यक्रम भोपाल में 8 अलग-अलग बैच में संचालित किया जाएगा। 4 मई से अलग-अलग विषयों पर वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। कुल 18 वर्कशॉप होंगी जिनमें 2 हजार टीचर्स भाग लेंगे। मूल्य आधारित शिक्षा को स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया गया है।

बच्चों में संस्कार देने की पहल: सत्यप्रकाश

राज्य आनंद संस्थान के निदेशक सत्य प्रकाश आर्य ने बताया कि बच्चों में मूल्य आधारित शिक्षा देने के साथ संस्कार देने की पहल शुरू की गई है। अभी प्रदेश के सभी शासकीय विद्यालयों से की जा रही है। इसके बाद निजी विद्यालयों और उच्च शिक्षा में भी यह कार्यक्रम लागू कराया जाएगा। स्कूलों में अभी हर शनिवार को आनंद सभा के तहत छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। करीब 4,700 शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है।

शिक्षकों की काउंसलिंग और मेंटरिंग क्षमताओं को किया जाएगा सशक्त

पहल ● मैनिट में विद्यार्थियों की मेंटरिंग और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण शुरू

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में सोमवार से 'स्ट्रेंथनिंग स्टूडेंट मेंटरिंग एंड मेंटल वेल-बीइंग' विषय पर सोमवार से पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आगाज हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की विद्यार्थी मेंटरिंग, काउंसलिंग तथा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़ी क्षमताओं को सुदृढ़ करना है। राज्य आनंद संस्थान, भोपाल के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में मैनिट के विभिन्न विभागों के लगभग सौ संकाय सदस्य भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला ने की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और प्रभावी मेंटरिंग की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। शिक्षकों की भूमिका केवल अकादमिक मार्गदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक मूल्यों और समग्र व्यक्तित्व विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मुख्य अतिथि भारतीय वन सेवा (आइएफएस) के अधिकारी अखिलेश अर्गल ने मूल्य-आधारित शिक्षा, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मेंटरशिप के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक और व्यक्तिगत चुनौतियों से उबरने के लिए शिक्षकों को सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना होगा। वहीं, राज्य आनंद संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार गंगराड़े ने शिक्षा संस्थानों में आनंद, सकारात्मकता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान जयपुर के विशेषज्ञ डा. बीके शर्मा मानसिक स्वास्थ्य, समग्र विकास, प्रभावी मेंटरिंग, मानवीय मूल्यों और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दे रहे हैं।

कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. सुषमा गुप्ता, डीन फैकल्टी वेलफेयर तथा प्रो. विलास वराडकर कर रहे हैं। संस्थान के अनुसार शेष संकाय सदस्यों के लिए इस प्रशिक्षण का दूसरा चरण 22 से 26 जून तक आयोजित किया जाएगा। यह पहल शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अधिदेश के अनुरूप विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मैनिट में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सौ से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। ● सौजन्य : आयोजक

इधर... 'संडेज आन साइकिल' राइड का आयोजन

भोपाल: मैनिट में रविवार सुबह 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत 'संडेज आन साइकिल' अभियान आयोजित किया गया। सुबह 6:30 बजे संस्थान के मुख्य गेट से शुरू हुई साइकिल राइड स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स तक निकाली गई। कार्यक्रम का आगाज निदेशक डा. करुणेश कुमार शुक्ला व डीन (आइडी व आइआर) डा. अनुपमा शर्मा ने किया। इसमें डीन (स्टूडेंट वेलफेयर), फैकल्टी सदस्य, नान-टीचिंग स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया। उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डा. पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित यह अभियान स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी उन्नत भारत अभियान के तहत ऐसी साइकिल राइड्स आयोजित कर फिट इंडिया मूवमेंट को और सशक्त बनाया जाएगा।

पाठकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

आनंद संचारिका परिवार अपने सभी रचनाकारों एवं पाठकों का आभार व्यक्त करता है। पत्रिका के आगामी संस्करणों के लिए पाठकों/सदस्यों/छात्रों के सुझाव, यूएचवी गतिविधियाँ, लेख, कहानी आदि मौलिक रचनाएँ निम्न वर्गों में आमंत्रित है:-

1. स्व-मूल्यांकन (सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से अपने जीने में आए बदलाव पर)

2. फीडबैक (सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों एवं आनंद संचारिका से संबंधित फीडबैक/सुझाव)

3 कविता/लेख/कहानी/नाटक (सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित विषय पर)

4. चित्र/ पोस्टर/ गतिविधियाँ (सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित विषय पर)

पाठकगण कृपया ध्यान दें-

* अपनी रचना के साथ अपना नाम, संस्था का नाम, पता, जिला एवं अपना स्पष्ट फोटो अवश्य संलग्न करें। कृपया ई-मेल भेजते समय सब्जेक्ट में "संदेश का वर्ग" का उल्लेख अवश्य करें। आनंद संचारिका में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित मौलिक रचनाएँ ही प्रकाशित की जाती हैं।

* रचना भेजने की अंतिम तिथि प्रत्येक माह की 15 तारीख है।

* कृपया रचनाएँ निम्न ई-मेल आईडी पर ही भेजें- anandsancharikauhv@gmail.com

* अन्य माध्यमों से भेजी गई, एक से अधिक अथवा विषय से भिन्न रचनाओं पर विचार नहीं किया जाएगा।

* किसी रचना/चित्र/अन्य सामग्री के प्रकाशन के अधिकार/ निर्णय केवल संपादक मंडल द्वारा लिया जाएगा।

* सभी प्रकाशन पूर्णतः निःशुल्क हैं।

* कॉपीराइट उल्लंघन दंडनीय है। इसकी संपूर्ण जवाबदेही आपकी होगी।

नोट-1: सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त प्राचार्य, शिक्षक एवं आनंद सभा के विद्यार्थी अपनी यात्रा संबंधी 'स्व-मूल्यांकन' एवम् पाठकगण भी 'आनंद संचारिका' का फीडबैक पत्रिका में प्रकाशन हेतु उक्त ईमेल आई डी पर भेजें।

-संपादक मंडल, आनंद संचारिका

राज्य आनंद संस्थान

स्थापना – अगस्त 2016 में राज्य आनंद विभाग के अंतर्गत गठन।

उद्देश्य – नागरिकों की आंतरिक अनुभूति और बाह्य सुख-समृद्धि सुनिश्चित करना।

मूल सिद्धांत – केवल भौतिक प्रगति से आनंद संभव नहीं है। यह मानसिक, शारीरिक व भावनात्मक उन्नति से ही संभव है। विकास को मूल्य आधारित और आनंद केंद्रित होना चाहिए।

प्रमुख कार्यक्षेत्र – नागरिकों को आनंद बढ़ाने वाली पद्धति व अभ्यास उपलब्ध कराना।

आनंद सभा

"सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों (यूएचवी) से आनंद की ओर"

पृष्ठभूमि – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षा में मूल्य, करुणा और सहानुभूति का विकास आवश्यक।

उद्देश्य – विद्यार्थियों में मानव लक्ष्य, मूल्य, संबंधों की समझ व सम्यक दृष्टि विकसित करना।

सामग्री एवं प्रशिक्षण – "सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर" पुस्तकों व वर्कबुक का निर्माण किया गया है एवं शिक्षकों को कक्षा में इस विषय को पढ़ाने हेतु 6 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम – कक्षा 9 से 12 में हर शनिवार "आनंद सभा" के अंतर्गत यूएचवी सत्र व गतिविधियाँ तथा महाविद्यालयों में कार्यक्रम संचालन हेतु शिक्षकों की तैयारी।

परिणाम – विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, जीवन-दृष्टि और मूल्यपरक आचरण का विकास।

सहयोगी संस्थान – AICTE, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग (म.प्र. शासन), राज्य आनंद संस्थान और यूएचवी फाउंडेशन।

: संपर्क विवरण :

राज्य आनंद संस्थान, बोर्ड ऑफिस कैंपस, डीबी मॉल के पीछे शिवाजी नगर, भोपाल म. प्र. 462011

0755-2553434 ईमेल : (anandsancharikauhv@gmail.com) (anandsansthan@mp.gov.in)